मामी की गोद हरी कर दी-3

“मैंने मामी को सांत्वना देने के लिए मामी को गले लगा लिया और पता ही नहीं चला.. कब हम दोनों पर वासना का भूत सवार हो गया और हमने अपनी हदें पार करना शुरू कर दिया था। ...”

Story By: लोकेश जोशी (lokeshjosi)
Posted: Thursday, June 16th, 2016
Categories: चाची की चुदाई
Online version: मामी की गोद हरी कर दी-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मामी की गोद हरी कर दी-3

अब तक आपने पढ़ा..

मामी ने बताया- मामाजी की कमर के निचले हिस्से में चोट लगने के कारण वे पिता बनने की ताकत को खो बैठे हैं।

यह बात सुनकर तो मेरे रोंगटे खड़े हो गये.. मैंने मामी से पूछा- तो मामी, क्या आपके साथ मामा सेक्स नहीं कर पाते ?
मामी ने कहा- नहीं बस एक-दूसरे से ऊपर लेट लेते हैं और कुछ नहीं।

अब आगे..

यह कह कर मामी रोने लगीं.. मैंने मामी को चुप करवाया और कहा- इसमें तुम दोनों में से किसी की गलती नहीं है.. जो होना था.. वह तो हो चुका।
तभी मामी बोलीं- गाँव की औरतों ने मुझे बांझ कह-कह कर मेरा जीना हराम कर रखा है.. क्या तुम मेरी मदद..

उस समय तो मैंने मामी को सांत्वना देने के लिए मामी को गले लगा लिया और पता ही नहीं चला.. कब हम दोनों पर वासना का भूत सवार हो गया और हमने अपनी हदें पार करना शुरू कर दिया था।

मैंने मामी को चूम लिया और मामी भी मेरा पूरा साथ दे रही थीं.. हम दोनों नीचे आ गए और चौक में चारपाई डाल कर लेट गए।
क्योंकि चौक चारों तरफ से बंद था.. कोई बाहर का आदमी वहाँ देख नहीं सकता था.. ऊपर से खुला होने के कारण तारों भरी चाँदनी वहाँ आ रही थी।

हम दोनों पूरी तरह से बहक चुके थे और क्या सही है.. क्या नहीं.. यह हम भूल गए।

मैं और मामी एक-दूसरे को चूम रहे थे.. मैंने मामी के बोबे सहलाना शुरू किए और थोड़ी ही देर में उनके ब्लाउज और साड़ी को खोल कर उनसे अलग कर दी।
मैंने अपने भी कपड़े उतार दिए थे, अब मैं चड्डी में और मामी पेटीकोट में थीं..

मैंने मामी के बालों को खोल दिया.. अब वह बड़ी गजब की लग रही थीं।
हम दोनों एक-दूसरे के शरीर को सहला रहे थे और मामी की सिसकार निकल रही थी।

मेरा हाथ अब मामी की जाँघों पर पहुँच चुका था। मैंने उनके पेटीकोट का नाड़ा खींचकर पेटीकोट उनसे अलग कर दिया।
मामी भी मेरी चड्डी में हाथ डालकर मेरे लण्ड को सहला रही थीं.. मुझे बहुत मजा आ रहा था।

जैसे ही मैंने मामी की चूत पर हाथ रखा.. तो पाया कि वह जरूरत से ज्यादा गर्म थी। मेरी हाथ की उंगली ने मामी की चूत की फांकों को थोड़ा चौड़ा किया.. तो मैंने पाया कि मामी की चूत पूरी तरह से गीली थी।

हम दोनों से अब रहा नहीं जा रहा था इसलिए मैंने मामी को लिटाया और मामी की टांगों को थोड़ा चौड़ा करके लण्ड को मामी की चूत पर रख दिया और रगड़ने लगा।

मामी की ‘आहा.. अहा हा उह..’ निकल रही थी।
तभी मामी ने कहा- अब डाल भी दो.. क्यों तड़फा रहे हो।

मैंने जोर से एक झटका दिया और लण्ड मामी की चूत को चीरता हुआ उसमें समा गया..
तो मामी बोल उठीं- अबे.. धीरे कर.. मारेगा क्या.. काफी दिन हो गए करे हुए.. आहिस्ता-आहिस्ता करो..

जब मेरी नजर मामी की आँखों पर गई तो मामी की आँखों में आँसू थे.. तो मैंने पूछा- क्या बहुत दर्द हो रहा है ?
तो मामी बोलीं- हाँ.. पर तुम अपना काम जारी रखो.. यह तो थोड़ी ही देर होगा.. मैं इसे सहन कर लूँगी।

मैं धीरे-धीरे मामी को चोदने लगा.. थोड़ी ही देर में मामी भी मेरा साथ देने लगीं.. शायद मामी को दर्द खत्म हो चुका था, मैंने अपनी रफ्तार बढ़ा दी थी।

मामी 'अह.. आह आ उह..' की आवाज के साथ मेरा पूरा साथ दे रही थीं।
मामी के मुँह से बड़बड़ाने की आवाज आने लगी थी- आह आह.. और जोर.. फाड़ डालो.. और तेज..

उनके मुँह से ये मस्त आवाजें आ रही थीं जिसे सुनकर कर मेरा जोश और बढ़ता जा रहा था।
मैंने पूरी ताकत के साथ मामी का साथ दिया और मामी की चुदास की आवाज भी बढ़ती जा रही थी.. साथ में चारपाई से भी 'चू चरर.. चु.. चर्र..' की आवाजें आने लगीं।

मुझे कुछ ज्यादा ही गीला लग रहा था.. तो मैंने मामी की तरफ देखा.. तो मामी हँस पड़ी.. मैं समझ गया कि मामी पानी छोड़ चुकी हैं और इस तरह मामी ने अपना माल छोड़ दिया।

मामी ने कहा- प्लीज अभी मत छोड़ना.. मुझे और चाहिए.. बड़े दिनों बाद प्यास पूरी करने का मौका मिला है.. इसलिए अभी दिल नहीं भरा है..

मेरी भी कमर ने मेरा साथ छोड़ दिया और मैं मामी के ऊपर कुछ समय के लिए लेट गया.. फिर से अपना काम पूरा किया।

मामी एक बार और झड़ चुकी थीं और मेरा भी निकल गया।

मैं ठंडा पड़कर मामी के ऊपर ही लेट गया.. मामी मेरे बदन को सहला रही थीं.. साथ ही कह रही थीं- मजा आ गया।

मैं और मामी वैसे ही चारपाई पर लेटकर बात करने लगे.. तो मामी ने मुझसे पूछा- तुम्हें कैसी लड़की पसंद है ?
तो मैंने बताया- उसके बाल खुले हों.. साधारण रूप से अच्छे कपड़े पहनती हो मेकअप नहीं करती हो.. लिपस्टिक नहीं लगाती हो.. मुझे ऐसी ही लड़की पसंद है।

मामी ने फिर पूछा- बताओ तुम लड़की को किस तरह के कपड़ों में देखना पसंद करते हो ?
तो मैंने जवाब दिया- दुल्हन के लिबास में..

यह बात सुन मामी वहाँ से उठकर अन्दर वाले कमरे में जाने लगीं.. और बोलीं- तुम यहीं आराम करो.. मैं अभी आती हूँ।

थोड़ी ही देर में मामी दुल्हन के कपड़े पहनकर बाहर आईं.. क्योंकि उनके पास उनकी शादी वाले कपड़े रखे थे। इस समय मामी बड़ी गजब की लग रही थीं।
वो मेरे पास आकर बैठ गईं..

मैंने हँसते हुए मामी से कहा- मामी चूसोगी ?
तो मामी ने मना कर दिया- लण्ड का काम चूत को चोदना है.. मुँह को नहीं..
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

तभी मामी ने पलटकर मुझसे पूछा- क्या तुम चाटोगे ?
मैंने कहा- नहीं.. अच्छा मामी एक बात बताओ.. तुम नीचे के बाल क्यों साफ नहीं करतीं ?
तो मामी ने तपाक से जवाब दिया- तुम साफ कर देना।

मैंने कहा- ठीक है।

उस रात मैंने मामी को अलग-अलग ढंग से पांच बार चोदा, मामी पूरी तरह संतुष्ट हो गई थीं।
हम अन्दर कमरे में जाकर सो गए।

सुबह करीब 10 बजे मेरी आँख खुली.. तो मामी घर के सारे काम निपटा चुकी थीं.. वे मुझे देखकर हँस कर बोलीं- नींद पूरी हो गई ?
मैंने कहा- हाँ.. आज तो मजा आ गया और तुमको मामी ?
बोलीं- हाँ.. लेकिन अभी चला नहीं जा रहा.. बहुत दर्द हो रहा है।

मामी ने मुझे चाय पिलाई और मैंने मामी से कहा- चलो.. मैं तुम्हारे बाल साफ करता हूँ।

मामी रेजर लेकर आईं.. मैंने मामी को लिटाया और उनका पेटीकोट ऊंचा करके उनकी चूत के सारे बाल साफ कर दिए।

अब मुझे मामी की चूत बिलकुल साफ नजर आई.. वाह क्या कमाल की चूत थी। मैं मामी को फिर से चोदने लगा। उस दिन मामी को तीन बार चोदा.. मामी भी पूरा साथ दे रही थीं।

चुदाई का यह सिलसिला रोज रात को चलने लगा। क्योंकि मामाजी तो खेतों पर चले जाते और घर पर हम रोज रात को मजे करते। इस तरह चुदाई के इस सिलसिले को चलते एक महीना हो गया था। मेरी पढ़ाई भी दिन में ठीक से होने लगी थी।

एक दिन सवेरे मामी के रोने की आवाज सुनकर मेरी आँख खुली, मैं दौड़कर मामी के पास गया तो मामाजी भी वहाँ खड़े थे और मामी रो रही थीं।

मैंने मामी से पूछा- क्या हुआ ?

तो मामाजी बोले- इसका सिर दर्द हो रहा है।
तभी मैंने कहा- मामाजी यदि आपकी आज्ञा हो तो मैं इन्हें डॉक्टर को दिखाकर ले आऊँ ?
मामाजी बोले- नहीं तुम पढ़ाई करो.. मैं दिखा लाऊँगा।

वे मामी को लेकर डॉक्टर के पास चले गए। मैं भी मेरी पढ़ाई करने लगा।

करीब शाम के 4 बजे थे.. तब मामी और मामाजी घर आए.. उस समय मामाजी बहुत गुस्से में लग रहे थे, मामी शांत थीं।

मैंने भागकर पूछा- मामाजी क्या हुआ.. तो मामाजी गुस्से से मेरी तरफ देखने लगे.. उस समय तो लगा कि मामाजी जैसे मुझे मार ही डालेंगे।
मेरी समझ में कुछ नहीं आया।

मामाजी अन्दर कुछ लेने को गए.. तो मैंने मौका देखकर मामी से पूछा- क्या हुआ.. मामाजी को.. ये इतने गुस्से ?
मामीजी ने धीरे से कहा- मैं माँ बनने वाली हूँ और मामाजी को सब बात पता चल गई।

यह बात सुनकर मेरी गांड फट गई और मुझे ऐसा लगा कि मेरे पैरों तले जमीन निकल रही हो। मैं पूरी तरह घबरा गया और पसीने से तर हो गया।
मामाजी कमरे से निकले.. तो उनके हाथ में लठ था। मेरी हालत खराब हो गई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे अब क्या करना चाहिए।

आगे की कहानी बाद में बताऊँगा। लेकिन मेरे यह बात आज तक समझ नहीं आई कि उस समय जो हालत थे.. मामी जिस दुख से गुजर रही थीं.. ऐसे हालातों में मैंने जो किया वह सही था या गलत। कृपया अपनी राय जरूर दें।
आपका लोकेश जोशी

lokeshjosi1982@gmail.com

Other stories you may be interested in

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो … मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जॉब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स […]
Full Story >>>

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. […]
Full Story >>>

चाची को चोद कर अपना लिया

ये कहानी मेरे एक दोस्त की है. मैं उसकी तरफ से ये कहानी प्रस्तुत कर रहा हूँ. मेरा नाम अमित है और मेरी उम्र 26 साल है. मेरे घर में मेरे पिताजी और चाचा का परिवार है, हम सब एक […]
Full Story >>>